

॥ रामाष्टकं १ श्रीमदानन्दरामायणे ॥

.. Ramashtakam from Ananda Ramayana ..

sanskritdocuments.org

August 20, 2017

---

.. Ramashtakam from Ananda Ramayana ..

॥ रामाष्टकं १ श्रीमदानन्दरामायणे ॥

Sanskrit Document Information



---

Text title : rAmAShTakaM

File name : rama8.itx

Category : aShTaka, raama

Location : doc\_raama

Language : Sanskrit

Subject : philosophy/hinduism/religion dvAdashasargAntargatam

Transliterated by : Girish Beeharry, PSA Easwaran psaeaswaran at gmail

Proofread by : Girish Beeharry, PSA Easwaran psaeaswaran at gmail

Description-comments : from Ananda Ramayana, sArakANDe yuddhacharite

Latest update : August 24, 2014

Send corrections to : Sanskrit@cheerful.com

Site access : <http://sanskritdocuments.org>

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

---

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

August 20, 2017

*sanskritdocuments.org*

---

## ॥ रामाष्टकं १ श्रीमदानन्दरामायणे ॥

॥ अथ रामाष्टकम् ॥

श्रीशिव उवाच ।

सुग्रीवमित्रं परमं पवित्रं सीताकलत्रं नवमेघगात्रम् ।

कारुण्यपात्रं शतपत्रनेत्रं श्रीरामचन्द्रं सततं नमामि ॥ ११६ ॥ १ ॥

संसारसारं निगमप्रचारं धर्मावतारं हृतभूमिभारम् ।

सदाविकारं सुखसिन्धुसारं श्रीरामचन्द्रं सततं नमामि ॥ ११७ ॥ २ ॥

लक्ष्मीविलासं जगतां निवासं लङ्काविनाशं भुवनप्रकाशम् ।

भूदेववासं शरदिन्दुहासं श्रीरामचन्द्रं सततं नमामि ॥ ११८ ॥ ३ ॥

मन्दारमालं वचने रसालं गुणैर्विशालं हृतसप्ततालम् ।

क्रव्यादकालं सुरलोकपालं श्रीरामचन्द्रं सततं नमामि ॥ ११९ ॥ ४ ॥

वेदान्तगानं सकलैः समानं हृतारिमानं त्रिदशप्रधानम् ।

गजेन्द्रयानं विगतावसानं श्रीरामचन्द्रं सततं नमामि ॥ १२० ॥ ५ ॥

श्यामाभिरामं नयनाभिरामं गुणाभिरामं वचनाभिरामम् ।

विश्वप्रणामं कृतभक्तकामं श्रीरामचन्द्रं सततं नमामि ॥ १२१ ॥ ६ ॥

लीलाशरीरं रणरङ्गधीरं विश्वैकसारं रघुवंशहारम् ।

गम्भीरनादं जितसर्ववादं श्रीरामचन्द्रं सततं नमामि ॥ १२२ ॥ ७ ॥

खले कृतान्तं स्वजने विनीतं सामोपगीतं मनसा प्रतीतम् ।

रागेण गीतं वचनादतीतं श्रीरामचन्द्रं सततं नमामि ॥ १२३ ॥ ८ ॥

श्रीरामचन्द्रस्य वराष्टकं त्वां मयेरितं देवि मनोहरं ये ।

पठन्ति शृण्वन्ति गृणन्ति भक्त्या ते स्वीयकामान् प्रलभन्ति नित्यम् ॥ १२४ ॥ ९ ॥


इति शतकोटिरामचरितान्तर्गते श्रीमदानन्दरामायणे

वाल्मीकीये सारकाण्डे युद्धचरिते द्वादशसर्गान्तर्गतं


श्रीरामाष्टकं समाप्तम् ॥

Encoded and Proofread by

Girish Beeharry, PSA Easwaran from Ananda Ramayana

——  
.. Ramashtakam from Ananda Ramayana ..

Searchable pdf was typeset using XeTeXgenerateactualtext feature of Xe<sub>La</sub>TeX 0.99996  
on August 20, 2017

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

